प्रश्न	अंक	
1		
2		
3		
4		
5		
6		
कुल		

हिंदी प्रचारिणी सभा

(हिंदी भवन –हिंदी भवन मार्ग – लोंग माउंटेन)

क्रम संख्या

हिंदी प्रवेशिका परीक्षा 2016

प्रश्न पत्र 2

(पठित पद्य, गद्य, अपठित गद्य तथा संस्कृत)

समय : 1.30 घंटा **(शनिवार 12 नवंबर 2016)** **पूर्णांक : 100**

1. इनमें से किसी एक (1) कविता का अर्थ समझाइए : **(15 अंक)**

क. कितना कोमल, कितना प्यारा
रंगबिरंगा हँसता–मुस्कुराता
प्रेम और आकर्षण फैलता
वरदान है हर आँगन में पुष्प प्यारा

ख. रोज़ रात परियों के साथ
वह आनन्द उठाता था
डालकर हाथों में हाथ
उनके साथ वह नाचता था ।

ग. पर दूर गगन के नीचे मैं,
यही सोचती रहती हूँ
क्या ऐसा भी होता है,
क्या तारे सच में हँसते हैं ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(कृपया पन्ना उलटिए)

2. **इनमें से किसी एक कवि के बारे में लगभग 75 शब्द लिखिए :**

1. अजामिल माताबदल 2. कल्पना लालजी 3. राजवंती मातादिन **(15 अंक)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

3. **इनमें से किसी एक कहानी का सार लगभग 100 शब्दों में लिखिए :** **(20 अंक)**

1. शास्त्री जी का सपना 2. अंधेरा उजाला 3. समस्या

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

4. **ध्यान से पढ़िए :**

हिंदी साहित्य में अनेक विधाएँ हैं, जैसे काव्य, कहानी, नाटक उपन्यास आदि । वर्तमान काल में अनेक साहित्यकार हुए । परन्तु उपन्यासकारों में प्रेमचन्द का नाम प्रथम श्रेणी में लिया जाता है। आज विश्व-साहित्य में उनका नाम बड़े आदर के साथ लिया जाता है।

प्रेमचन्द एक सफल कहानीकार भी हैं। उनकी तीन सौ से अधिक कहानियाँ उपलब्ध हैं। ये कहानियाँ समाज की समस्याओं पर आधारित हैं। उनके उपन्यासों में भी सामाजिक बुराइयों को विस्तार से दर्शाया गया है और लोगों को उनसे दूर करने की प्रेरणा देता है।

शुरू-शुरू में प्रेमचन्द उर्दू भाषा में नवाबराय नाम से लिखते थे। इस नाते उनकी अधिकतर कहानियाँ जैसे - इदगाह, बड़े घर की बेटी, कफ़न आदि दोनों भाषाओं में मिलती हैं। वरदान, निर्मला, गबन, गोदान आदि प्रेमचन्द के सफ़ल उपन्यास हैं।

साहित्यकार बनने से पहले, प्रेमचन्द प्राथमिक विद्यालय में अध्यापक थे। पर महात्मा गांधी जी से प्रभावित होकर उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़ दी।

इन प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में लिखिए :

क. उपन्यासकारों में किसका नाम प्रथम श्रेणी में लिया जाता है ?

.....(3 अंक)

ख. प्रेमचन्द शुरू-शुरू में किस भाषा में लिखते थे ?

.....(3 अंक)

ग. प्रेमचन्द की कहानियाँ किन विषयों पर आधारित होती थीं ?

.....(4 अंक)

.....

घ. प्रेमचन्द की कौन-कौन सी कहानियाँ हिंदी और उर्दू दोनों भाषाओं में हैं ?

.....(5 अंक)

.....

ङ. अगर प्रेमचन्द महात्मा गांधी जी से प्रभावित नहीं होते तो क्या होता ?

.....(5 अंक)

.....

(कृपया पन्ना उलटिए)

5. **दिये गए हिंदी शब्दों में से किन्हीं पाँच (5) को संस्कृत में लिखिए :–** **(10 अंक)**

पुरुष –		दस –	
भोजन –		फूल –	
घर में –		आलसी –	
तू –		शिक्षक –	
धन –		कुत्ता –	

6. **इनमें से किन्हीं पाँच (5) वाक्यों को हिंदी में लिखिए :–** **(20 अंक)**

क. मम नामः रमेशः अस्ति । .....

ख. सज्जनस्य चितं पवित्रं भवति .....

ग. ईशः सर्वत्र अस्ति । .....

घ. अहं अत्र तिष्ठामि । .....

ङ. त्वं एका बाला अस्ति । .....

च. रविवासरे अवकाशः भवति । .....

छ. बालाः क्षेत्रे खेलन्ति । .....

ज. मम गृहे मम अनुजः वसति । .....